उ.प्र.राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज

शिक्षक–दिवस–समारोह

05 सितम्बर, 2022

दीप प्रज्वलन	–	अतिथियों द्वारा
माँ सरस्वती तथा सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण	–	
अतिथियों का स्वागत	–	पुष्पगुच्छ द्वारा
वाचिक स्वागत तथा अतिथि–परिचय	–	प्रो. सत्यपाल तिवारी
विषय–प्रर्वतन	–	
अतिथियों का अलंकरण	–	
मुख्य–अतिथि द्वारा उद्‌बोधन	–	प्रो. एम.पी.तिवारी पूर्व विभागाध्यक्ष, विधि विभाग इलाहाबाद पी.जी. कालेज, प्रयागराज
विश्वविद्यालय के शिक्षकों का सम्मान	–	मा. कुलपति जी द्वारा
अध्यक्षीय उद्‌बोधन	–	मा. कुलपति प्रो. सीमा सिंह
धन्यवाद	–	प्रो. विनोद कुमार गुप्त
राष्ट्रगान	–	सामूहिक
संचालन	–	डॉ. अब्दुल रहमान

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

05 सितम्बर, 2022

मुक्त चिन्तन

मुक्त विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी एवं मुख्य वक्ता प्रोफेसर एम.पी. तिवारी जी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों का अभिनंदन एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति में परिकल्पित शिक्षकों की भूमिका विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

आयोजित व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर एमपी तिवारी, पूर्व विभागाध्यक्ष विधि विभाग इलाहाबाद पीजी कॉलेज प्रयागराज रहे। विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की ।

पूर्व राष्ट्रपति और प्रकांड विद्वान एवं शिक्षाविद डॉ एस राधाकृष्णन की जयंती तथा शिक्षक पर्व के उपलक्ष्य में युवा मन के विकास एवं राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों के योगदान तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में इस कार्यक्रम का आयोजन मानविकी विद्या शाखा के तत्वाधान में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के संयोजक मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने अतिथियों का स्वागत किया तथा विषय की जानकारी दी। संचालन डॉ अब्दुल रहमान तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्ता ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक एवं शिक्षक गण आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ अब्दुल रहमान एवं मंचासीन माननीय अतिथि

मुख्य वक्ता
प्रोफेसर एमपी तिवारी जी को
पुष्पगुच्छ
भेंट
कर
स्वागत
करते हुए
डॉ0 सतीश चन्द्र जैसल

माननीया कुलपति
प्रोफेसर सीमा सिंह जी
को
पुष्पगुच्छ
भेंट
कर
स्वागत
करती हुई
डॉ0 साधना श्रीवास्तव

प्रो. सत्यपाल तिवारी जी जी को पुष्पगुच्छ भेंट
कर स्वागत करते हुए
डॉ0 शिवेन्द्र सिंह

माननीय अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के संयोजक मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी

मुख्य वक्ता प्रोफेसर एमपी तिवारी जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित करते हुए प्रो. सत्यपाल तिवारी

प्रो. सत्यपाल तिवारी जी को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित करती हुई डॉ0 स्मिता अग्रवाल

प्रोफेसर एम.पी. तिवारी

शिक्षक और शिक्षार्थी शिक्षण का जीवन बहुत महत्वपूर्ण है : प्रोफेसर तिवारी

मुख्य वक्ता प्रोफेसर एमपी तिवारी, पूर्व विभागाध्यक्ष, विधि विभाग, इलाहाबाद पीजी कॉलेज ने इस अवसर पर कहा कि शिक्षक और शिक्षार्थी शिक्षण का जीवन बहुत महत्वपूर्ण है। एक ऐसा ताना–बाना है जो जीवन में मार्गदर्शन देता है।

उन्होंने शिक्षार्थी और शिक्षक के आपसी संबंधों उदारता और मानवता के लक्ष्य के साथ ही नई शिक्षा नीति के संदर्भ में विस्तार पूर्वक चर्चा की। अध्यापन की बारीकियों को और जीवन की तकनीकी और वर्तमान चुनौतियों को जोड़ते हुए शिक्षा नीति को एक सार्थक पहल बताया।

शिक्षार्थी के जीवन में मानवीय मूल्यों का सृजन करें शिक्षक– प्रोफेसर सीमा सिंह

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने गुरु की महिमा का विस्तार से वर्णन किया। योग्य गुरु हमेशा शिष्यों को मार्गदर्शन देता रहता है। सीखना सिखाना जीवन पर्यंत प्रक्रिया है। जीवन के हर मोड़ पर कोई न कोई गुरु आपको मार्गदर्शन और हौसला देता रहता है।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि शिक्षक को अपने शिक्षार्थी के जीवन में हमेशा नवीनता एवं ज्ञान के साथ–साथ मानवीय मूल्यों का सृजन भी करना चाहिए।

शिक्षा नीति पर चर्चा करते हुए कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति कौशल और तकनीक पर आधारित है। यह निश्चय ही शिक्षार्थियों को भविष्य में रोजगार परक और अनुभवजन्य शिक्षा देने में कारगर सिद्ध होगी।

सम्मान समारोह

विश्वविद्यालय के शिक्षकों को सम्मानित करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्ता

राष्ट्रगान

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी के साथ ग्रुप फोटो में विश्वविद्यालय के शिक्षकगण

व्याख्यान कार्यक्रम

'शिक्षक दिवस समारोह'
05 सितंबर, 2022

कार्यक्रम का नाम – 'शिक्षक दिवस समारोह'
आयोजन तिथि– 05 सितंबर, 2022

कार्यक्रम का उद्देश्य – शिक्षकों का अभिनन्दन एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति में परिकल्पित

शिक्षकों की भूमिका विषय पर व्याख्यान

कार्यक्रम स्थल– सरस्वती परिसर, तिलक शास्त्रार्थ सभागार

मुख्य अतिथि/मुख्य वक्ता– प्रो. एम.पी.तिवारी, पूर्व विभागाध्यक्ष विधि संकाय, इलाहाबाद

पी.जी. कालेज, प्रयागराज

अध्यक्षता – प्रो. सीमा सिंह, कुलपति, उ.प्र.रा.ट.मु.वि.वि.,प्रयागराज

आयोजक/संयोजक– प्रो. सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा

कार्यक्रम रिपोर्ट की विस्तृत रिपोर्ट संलग्न है।